CHAPTER 23

HINDI

Doctoral Theses

217. उप्पल (वनिता)
इलाचन्द्र जोशी के कथा-साहित्य का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. सुमन सिंह
Th 22658

विषय सूची

1. मनोविज्ञान : अवधारणा, विचार और विश्लेषण 2. मनोविश्लेषण : पश्चिमी और हिंदी कथा-साहित्य 3. कथाकार इलाचन्द्र जोशी की जीवनगत और रचनात्मक यात्रा 4. इलाचन्द्र जोशी का कथा-साहित्य और मनोविश्लेषण 5. इलाचन्द्र जोशी के कथा-साहित्य का सामाजिक पक्ष। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

218. कमलेश रानी
लोकजागरण की अवधारणा और हिन्दी संत साहित्य।
निर्देशक : डॉ. पूरनचंद टण्डन
Th 22092

विषय सूची

1. लोकजागरण की अवधारणा एवं स्वरूप-विश्लेषण 2. हिन्दी संत साहित्यः विश्लेषणात्मक परिचय 3. मध्यकालीन हिन्दी संत साहित्य एवं सामाजिक-सांस्कृतिक जागरण 4. मध्यकालीन हिन्दी संत साहित्य एवं धार्मिक जागरण 5. मध्यकालीन हिन्दी संत साहित्य एवं साहित्यिक जागरण। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

219. कुमार पुष्पेन्दु
भूमण्डलीकरण और हिन्दी कहानी की अंतरक्रिया।
निर्देशक : डॉ. संजय कुमार
Th 22098

सारांश

"भूमंडलीकरण और हिन्दी कहानी की अंतरक्रियाविषय भूमंडलीकरण के स्याह और " सफेद पहलूओं की परख करते हुए, भारतीय समाज के विविध क्षेत्रों में हुए बदलाव को रेखांकित कर कला के क्षेत्र में विशेषकर साहित्यिक विधा कहानी क्षेत्र में उसके प्रभाव का विश्लेषण करता है। उपर्युक्त विषय अपने अध्ययन क्षेत्र में, अर्थव्यवस्था का कला

रूपों पर प्रभाव कैसे पड़ता है, तकनीक अथवा विज्ञान समाज को कैसे बदल देता है, यह सभ्यता संस्कृति को किस हद तक प्रभावित या विलोपित कर देता है, इसके प्रतिउत्तर में कहानी भी समाज को कैसे नई दिशा देती है आदि अनेक ज्वलंत मुद्दे जो भूमंडलीकरण के साकारात्मक या नाकारात्मक परिणाम के रूप में सामने आये हैं को समाहित करता है। शब्द उदार अर्थ देते हुए भूमंडलीकरण और 'अंतरक्रिया' व्यापक अर्थ में यह .को व्यंजित करता है 'परस्पर प्रभाव' साहित्यिक विधा कहानी का को स्वीकार करता है। संवाद और तर्कसंगतत्ता -विवाद-वाद 1985 से 2010 तक की कहानियों में भूमंडलीकरण के प्रभाव को सूक्ष्मता से पकड़ने की कोशिश की गई है। उदयप्रकाश से लेकर कैलाश बनवासी तक की पीढ़ी के रचनाकारों की कहानियों का इसमें विश्लेषण किया गया है। प्रस्तुत शोधपड़ताल कर -प्रबंध उपर्युक्त मुद्दों की जाँच- को हिंदी कहानी में आये नए बदलावों रेखांकित करने का प्रयास करता है।

विषय सूची

1. भूमण्डलीकरण वैश्विक संदर्भ में 2. भूमण्डलीकरण भारत के संदर्भ में 3. भूमण्डलीकरण और हिन्दी कहानी 4. भूमण्डलीकरण और महिला कहानी लेखन 5. भूमण्डलीकरण और दलित कहानी लेखन 6. भूमण्डलीकरण और हिन्दी कहानी संरचना। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

220. कुमारी शोभा
जयशंकर प्रसाद के साहित्य में प्राच्यवाद की निर्मितियाँ।
निर्देशक : प्रो. गोपेश्वर सिंह
Th 22084

विषय सूची

1. साहित्य सैद्धांतिकी और प्राच्यवाद 2. प्राच्यवाद की निर्मितियाँ और हिन्दी साहित्य 3. प्रसाद के नाटक और प्राच्यवाद की निर्मितियाँ 4. प्रसाद का काव्य और प्राच्यवाद की निर्मितियाँ 5. प्रसाद के कथा-साहित्य, निबंध और आलोचना में प्राच्यवाद की निर्मितियाँ 6. जयशंकर प्रसाद और प्राच्यवादः संघर्ष और आत्मसंघर्ष। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

221. केवल राम
वैश्वीकरण की पृष्ठभूमि में हिन्दी ब्लॉग-साहित्य का विश्लेषण।
निर्देशक : डॉ. राकेश कुमार
Th 22087

सारांश

वैश्वीकरण उत्तरआधुनिक अवधारणा है-, जिसमें सम्पूर्ण विश्व की कल्पना 'ग्राम-विश्व' आर्थिक उदारीकरण की इस वैश्वीकृत प्रक्रिया का .के रूप में की जा रही है

भूगोल नहीं बताया है-े कोई इतिहास विद्वानों, बहुत खींचतान करके वह इसकी शुरुआत 1990 के दशक से बताते हैं, जब सोवियत संघ का विघटन हुआइसके पीछ .े उनका तर्क यह है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व को दो भागों में बांटने वाली जड़ीभूत सीमाकी 'समीकरण-वि' रेखा का अवरोध टूटा और इस प्रकार यह-प्रक्रिया आगे बढ़ गयी, जिसका पर्यायवाची शब्द वर्तमान में वैश्वीकरण .है 'वैश्वीकरण' की अवधारणा ने विश्व के सभी देशोें को अपनी और आकर्षित कर प्रभावित किया हैवैश्वीकरण की व्यवस्था में विश्व में व्याप्त सामाजिक सम्बन्धों की प्रवृति और . विश्व के किसी स्थान विशेष पर घटने वाली घटना .प्रकृति पर भी प्रभाव पडा है का स्वरुप दूरस्थ क्षेत्र में घटने वाली घटना से परस्पर निर्धारित होता हैवैश्वीकरण के . इस दौर में सूचना तकनीक के साधनों का व्यापक विस्तार हुआ, इन साधनों के माध्यम से व्यक्ति को अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का भी अवसर मिल गयासोशल नेटवर्किंग और ब्लॉगिंग जैसे माध्यमों के द्वारा व्यक्ति अपनी भावनाओं ., विचारों और अपने आसपास की समस्याओं पर खुलकर विचार व्यक्त करने लगा . अभिव्यक्ति के इन माध्यमों को भूमंडलीय जनमाध्यम के नाम से अभिहित किया जा इन सब माध्यमों में जिस माध्यम की सबसे अधिक चर्चा वैश्विक स्तर पर हो .रहा है रही है, उस माध्यम को ब्लॉग .के नाम से अभिहित करते हैं 'ब्लॉग' के माध्यम से पूरे विश्व में अभिव्यक्ति की नयी क्रान्ति का सूत्रपात हुआ हैइसके माध्यम से साहित्य ., समाज, संस्कृति, पर्यावरण जैसे विषयों पर व्यापक विचार विमर्श सामने आ रहा है . साहित्यिक अभिव्यक्ति के स्तर पर ब्लॉग वैश्वीकरण की अवधारणा के एक सशक्त घटक के रूप में हमारे सामने आया है.

विषय सूची

1. वैश्वीकरण अर्थ एवं स्वरूप 2. वैश्वीकरण के विविध आयाम 3. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सूचना प्रौद्योगिकी, इन्टरनेट और ब्लॉग तकनीक 4. हिन्दी ब्लॉगिंग : विकासात्मक चरण, वर्गीकरण और सैद्धान्तिक परिदृश्य 5. ब्लॉग पर प्रकाशित, हिन्दी ब्लॉग-साहित्य का विश्लेषण। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

222. गोयल (चारु)
त्रिलोचन के काव्य की भाषिक संरचना।
निर्देशक : डॉ. रामनारायण पटेल
Th 22080

विषय सूची

1. त्रिलोचनः जीवन और रचना-कर्म 2. काव्यभाषा और त्रिलोचन 3. भाषाविज्ञान का सैद्धांतिक पक्ष 4. त्रिलोचन का काव्यः भाषावैज्ञानिक अध्ययन 5. त्रिलोचन का काव्यः शैलीवैज्ञानिक अध्ययन। समाहार। संदर्भिका।

223. चित्तरंजन कुमार
प्रकाश झा द्वारा निर्देशित हिन्दी फिल्मों में यथार्थ की संरचना।
निर्देशक : डॉ. संजय कुमार, प्रो. सुधीश पचौरी एवं डॉ. हरीश नवल
Th 22535

विषय सूची

1. यथार्थ और सरंचना 2. नवें दशक से हिन्दी सिनेमा में आये तकनीकी एवं कलात्मक परिवर्तन 3. नब्बे के दशक से आज तक की हिन्दी फिल्में और प्रकाश झा 4. प्रकाश झा द्वारा निर्देशित हिन्दी फिल्मों में यथार्थ 5. प्रकाश झा द्वारा निर्देशित हिन्दी फिल्मों की संरचना। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

224. ठाकुर (भुवाल सिंह)
महादेवी वर्मा के सृजन और चिंतन में नवजागरण की चेतना।
निर्देशक : डॉ. विनय विश्वास
Th 22081

विषय सूची

1. महादेवी की सृजन-यात्रा 2. नवजागरण : आशय और स्वरूप 3. नवजागरण और आधुनिक हिन्दी साहित्य 4. नवजागरण और महादेवी का चिन्तन 5. नवजागरण और महादेवी का सृजन। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

225. तिवारी (बिपिन बिहारी)
नवें दशक की हिन्दी कहानी परंपरा में मध्य वर्ग का संघर्ष और उसकी चुनौतियाँ।
निर्देशक : प्रो. मोहन
Th 22099

विषय सूची

1. मध्य वर्ग की अवधारणा और उसके सामाजिक सरोकार 2. नवें दशक का राजनीतिक यथार्थ और हिन्दी कहानी 3. नवें दशक का सामाजिक यथार्थ और हिन्दी कहानी 4. नवें दशक की हिन्दी कहानियों का शिल्प वैशिष्टय। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

226. नीरू
समानांतर सिनेमा, श्याम बेनेगल की फिल्में और हाशिये का विमर्श।
निर्देशिका : डॉ. सुधा सिंह
Th 22085

विषय सूची

1. हाशिये का विमर्श और उसके विभिन्न रूप हाशिये की अवधारणा 2. हिन्दी सिनेमा में विमर्श के आरम्भिक रूप 3. समानांतर सिनेमा और श्याम बेनेगल 4. श्याम बेनेगल की फिल्मों में हाशिये के विमर्श के विभिन्न टोन 5. श्याम बेनेगल की फिल्मों के कुछ तकनीकी पहलु। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

227. पंड्या (मिहिर)
हिन्दी सिनेमा में 'शहर' : 1988 से अब तक।
निर्देशक : डॉ. संजीव कुमार
Th 22076

विषय सूची

1. शहर और सिनेमा 2. 1988-1998 3. 1998-2013 4. शहर की पहचान के चिह्न तथा उसका 'अन्य' 5. दस प्रतिनिधि फिल्मों का अध्ययन। उपसंहार। फिल्म सूची। संदर्भ सूची।

228. परमिन्दर कुमारी
मोहन राकेश के साहित्य में आत्म ।
निर्देशक : डॉ. गोपेश्वर सिंह, डॉ. आशुतोष कुमार एवं डॉ. रमेश गौतम
Th 22537

विषय सूची

1. मोहन राकेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2. साहित्य में आत्म की अवधारणा 3. मोहन राकेश के नाटक और आत्म 4. मोहन राकेश की कहानियाँ और आत्म 5. मोहन राकेश के उपन्यास और आत्म 6. मोहन राकेश के साहित्य में आत्म की खोज का स्वरूप । संदर्भ ग्रंथ सूची।

229. पाठक (निखिलेश कुमार)
व्यंग्य की अवधारणा और श्रीलाल शुक्ल की कथा-भाषा।
निर्देशक : डॉ. राजेन्द्र गौतम
Th 22097

विषय सूची

1. व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप 2. हिन्दी साहित्य में व्यंग्य : सिंहावलोकन 3. श्रीलाल शुक्ल : परिचय और रचना-संसार 4. श्रीलाल शुक्ल की व्यंग्य-दृष्टि और उनकी कथा-शैली 5. श्रीलाल शुक्ल की कथा-भाषा में व्यंग्य की निर्मिति और उसकी अर्थगत परिणति। 6. उपसंहार। पुस्तक-सूची।

230. पासवान (कपिल देव कुमार)
राही मासूम रज़ा के उपन्यासों का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन।
निर्देशक : प्रो. मोहन
Th 22089

विषय सूची

1. राही मासूम रज़ा : एक परिचय 2. समाजभाषाविज्ञान : उत्पत्ति विकास और अवधारणा 3. राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में भाषा और जेंडर 4.राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में भाषा विकल्पन 5. राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में कोड-मिश्रण व कोड-परिवर्तन। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

231. भारद्वाज (कामिनी)

प्रमुख राष्ट्रीय समाचार-पत्रों में 'स्त्री-चित्रण' का व्यक्तिवृत अध्ययनः भारत एवं पाकिस्तान के विशेष संदर्भ में।

निर्देशिका : डॉ. कुमुद शर्मा

Th 22096

सारांश

इस शोध में राष्ट्रीय समाचार पत्रों में 'स्त्री चित्रण' का अध्ययन प्रस्तावित है| ऐसे में इस माध्यम कि व्यापकता और प्रसार को देखते हुए इसकी विषयवस्तु में से स्त्रियों के सन्दर्भ में प्रकाशित होने वाले ख़बरों का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है इसी कारण शोधार्थी ने इस विषय का चुनाव किया है| इस शोध के अन्तर्गत ख़बरों में स्त्रियों के चित्रण का व्यक्तिवृत्त अध्ययन किया गया है|जिसका तात्पर्य यह है कि इसमें सम्पूर्ण स्त्रियों को एक केस के रूप में देखा गया है और उसी रूप में उनका अध्ययन किया गया है| यह शोधकार्य चित्रण की सैद्धान्तिकी तथा प्रविधि के माध्यम से समाचारपत्रों के विविध विषयों में स्त्रियों की प्रस्तुति का सूक्ष्मता तथा गहराई से अध्ययन के रूप में प्रस्तावित है अतः उपलब्ध विषयवस्तु में से कुछ नमूनों का चयन कर उसका विस्तृत तथा सूक्ष्म अध्ययन ही वांछनीय था|समाचारपत्रों में स्त्रियों से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों और सन्दर्भों पर प्रकाशित ख़बरों से एक तथ्य उभर कर सामने आता है वह है सत्ता और मीडिया का अंतर्संबंध| एक माध्यम के रूप में समाचारपत्र उन्ही घटनाओं और ख़बरों को चित्रित करता है जो सत्तारूढ़ समूहों के विचारों और हितों की तुष्टि करते हैं|नारीवादी चिंतकों ने इसी स्तर पर अपने विरोध को प्रखर स्वर दिया और मीडिया में स्त्रियों के चित्रण तथा उपस्थिति के मुद्दे को एक ज्वलंत सामाजिक मुद्दा बनाना शुरू किया|नारीवादी विमर्श के अनुसार मुख्यधारा के मीडिया में स्त्रियों का चित्रण परंपरागत और रूढिगत ही होता है|इस आधार पर यदि भारतीय और पाकिस्तानी समाचारपत्र में स्त्री चित्रण के मुद्दे पर ध्यान दें तो यह पायेंगें कि स्त्रियों से सम्बंधित सर्वाधिक समाचारों कि प्रस्तुति हिंसा के क्षेत्र में ही अधिक है|कमजोर, अशक्त, असक्षम और पीड़ित रूप में स्त्रियों का चित्रण उन्हें उस परम्परागत पितृसत्तात्मक विचारधारा से मुक्त नहीं होने दे रहा जिसके अनुसार वे रक्षिता हैं और उनकी रक्षा करना पुरुषों का दायित्व है|

विषय सूची

1. स्त्री संदर्भ और मुद्दे 2. नारीवादी सिद्धांतः एक संक्षिप्त परिचय 3. मीडिया में स्त्री चित्रण 4. समस्या एवं प्रविधि 5. विश्लेषण, परिचर्चा एवं निष्कर्ष। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

232. भूषण (शान्ति)
हरिशंकर परसाई के बाद हिंदी व्यंग्य में विचारधारात्मक द्वंद्व।
निर्देशक : डॉ. प्रेम जनमेजय, प्रो. हरिमोहन शर्मा एंव डॉ. हरीश नवल
Th 22539

विषय सूची

1. विचारधारा और साहित्य 2. हिंदी व्यंग्य : सैद्धांतिकी 3. हरिशंकर परसाई का वैचारिक दृष्टिकोण 4. परसाई के समकालीन व्यंग्यकारों का वैचारिक दृष्टिकोण 5. परसाई के बाद के व्यंग्यकारों का वैचारिक दृष्टिकोण 6. तुलनात्मक अध्ययन। उपसंहार। परिशिष्ट।

233. मन्नु कुमारी
प्रसाद और निराला की कथा-भाषा का तुलनात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. संजय कुमार एंव डॉ. प्रेम सिंह
Th 22538

विषय सूची

1. हिन्दी कथा-भाषा का विकास 2. प्रसाद रचित कथा साहित्य : भाषिक विश्लेषण 3. निराला रचित कथा साहित्य : भाषिक विश्लेषण 4. प्रसाद और निराला : तुलनात्मक भाषिक मूल्याकंन 5. छायावादोत्तर कथा-भाषा पर प्रसाद और निराला का प्रभाव। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

234. मीना (रामरूप)
मॉरिशस के राष्ट्र-कवि ब्रजेन्द्र कुमार भगत 'मधुकर' के प्रवासी हिन्दी काव्य में सामाजिक-सांस्कृतिक स्मृति और समायोजन का द्वंद्व।
निर्देशिका : डॉ. आभा सक्सेना
Th 22082

विषय सूची

1. मॉरिशस में भारतीयों का प्रवास एवं हिन्दी साहित्य-सृजन 2. मॉरिशस की प्रवासी हिन्दी काव्य-परंपरा और राष्ट्र-कवि ब्रजेन्द्र कुमार भगत 'मधुकर' 3. मॉरिशस का युगीन परिदृश्य और मधुकर का काव्य-कर्म 4. 'मधुकर' के काव्य में व्यक्त प्रवासी जीवन-स्थिति 5. 'मधुकर' के काव्य में भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक स्मृति और समायोजन का द्वंद्व 6. 'मधुकर' के प्रवासी हिन्दी काव्य में नवजागरण का स्वर। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

235. मीना (रोशन लाल)

जगन्नाथदास रत्नाकर के काव्य का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. पूरनचन्द टण्डन

Th 22078

विषय सूची

1. सौन्दर्य : अभिप्राय, स्वरूप एवं महत्व 2. सौन्दर्यशास्त्र : अभिप्राय, स्वरूप एवं क्षेत्र-विस्तार 3. जगन्नाथदास रत्नाकर : जीवन, व्यक्तित्व और रचना-संसार 4.जगन्नाथदास रत्नाकर के काव्य में मानव-सौन्दर्य 5. जगन्नाथदास रत्नाकर के काव्य में प्रकृति-सौन्दर्य 6. जगन्नाथदास रत्नाकर के काव्य में अभिव्यंजना-सौन्दर्य। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

236. मीना (विजय श्री)

अभिमन्यु अनत के साहित्य में अभिव्यक्त प्रवासी जीवन की समस्याएँ।

निर्देशक : डॉ. आशुतोष कुमार

Th 22100

विषय सूची

1. प्रवासी जीवन : स्वरूप और संरचना 2. युगीन परिदृश्य और अभिमन्यु अनत का साहित्य 3. अभिमन्यु अनत के साहित्य में व्यक्त प्रवासी जीवन की सामाजिक-सांस्कृतिक समस्याएँ 4. अभिमन्यु अनत के साहित्य में व्यक्त प्रवासी जीवन की राजनीतिक समस्याएँ 5. अभिमन्यु अनत के साहित्य में व्यक्त प्रवासी जीवन की आर्थिक समस्याएँ। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

237. मिश्र (प्रियंका)

हिन्दी रंगमंच के विकास में भारत रंग महोत्सव का योगदान।

निर्देशक : प्रो. रमेश गौतम

Th 22093

विषय सूची

1. नाट्य समारोह की अवधारणा 2. भारंगम की परिकल्पना और उसका संक्षिप्त इतिहास 3. समारोह के लिए प्रस्तुतियों की चयन प्रक्रिया (1999 से आज तक) 4. भारंगम की प्रस्तुतियाँ : शिल्प, परम्परा और प्रयोग 5. भारंगम का अखिल भारतीय स्वरूप और हिन्दी रंगमंच 6. हिन्दी रंगमंच के विकास में भारंगम का योगदान । उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

238. मुकेश कुमार

कमलेश्वर के कथा-साहित्य में सामाजिक संरचना तथा वैचारिकता के प्रश्न।

निर्देशिका : डॉ. सुमित्रा

Th 22095

विषय सूची

1. कमलेश्वर : जीवन और साहित्य 2. कमलेश्वर का कथा साहित्य : सामाजिक संरचना के प्रश्न 3. कमलेश्वर का कथा साहित्य : वैचारिकता के प्रश्न 4. कमलेश्वर का कथा साहित्य : ऐतिहासिकता के प्रश्न 5. कमलेश्वर का कथा साहित्य : साहित्यिक सौन्दर्य। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

239. मोनिका देवी

हिंदी महिला कथाकारों के उपन्यासों का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन (1980 के पश्चात्)।

निर्देशक : डॉ. हर्ष बाला शर्मा

Th 22540

विषय सूची

1. समाजभाषाविज्ञान : सैद्धान्तिकी एवं अनुप्रयोग 2. भाषायी अस्मिता का प्रश्न और महिला उपन्यासकार 3. समाजभाषाविज्ञान : जेंडर की अवधारणा और महिला उपन्यास 4. वर्ग संबंधी प्रश्न और महिला उपन्यास 5. स्त्री की जाति व स्त्री प्रश्न 6. महिला उपन्यासकार और उनके उपन्यासों में समाजभाषावैज्ञानिक चिह्नशास्त्र का उपयोग। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

240. यादव (रणजीत)

पद्माकर के काव्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. विनीता कुमारी, प्रो. गोपेश्वर सिंह एवं डॉ. सुधीर कुमार

Th 22536

विषय सूची

1. समाजशास्त्र की अवधारणा एवं स्वरूप 2. पद्माकर और उनका युग 3. रीतिकालीन कविता का समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि 4. पद्माकर के श्रृंगारपरक काव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन 5. पद्माकर के प्रशस्तिपकर काव्यों का समाजशास्त्रीय आधार 6. भक्तिपरक काव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन 7. पद्माकर के रचनात्मक विवेक का समाजशास्त्रीय अध्ययन। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

241. यादव (रत्नेश कुमार)

हिन्दी उपन्यासों की कथा एवं भाषा संरचना का तुलनात्मक अध्ययन (1990 से 2010 तक प्रकाशित उपन्यास)।

निर्देशक : डॉ. अल्पना मिश्र

Th 22659

विषय सूची

1. सन् 1990 से 2010 तक के उपन्यासों में कथा एवं भाषा का सम्बन्ध 2. उपन्यासों की कथा सरंचना का तुलनात्मक विश्लेषण 3.उपन्यासों की भाषा-सरंचना का तुलनात्मक विश्लेषण 4. उपन्यासों में अभिव्यक्त भूमण्डलीय परिदृश्य और उभरते समकालीन प्रश्न। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

242. रस्तोगी (मानसी)

दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर की व्यवहृत हिन्दी में कोड-मिश्रण और कोड-अंतरण।

निर्देशक : प्रो. मोहन

Th 22079

विषय सूची

1. प्रस्तुत शोध- अध्ययन एवं समाजभाषाविज्ञान : संकल्पना और संबंध 2. कोड-मिश्रण और कोड-अंतरण : अवधारणा एवं अनुप्रयोग 3. संबद्ध साहित्य का पुनर्विलोकन एवं शोध-प्रविधि 4. दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर की व्यवहृत हिन्दी में कोड-मिश्रण और कोड-अंतरण : स्वरूप एवं विश्लेषण 5. दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर की व्यवहृत हिन्दी में कोड-मिश्रण और कोड-अंतरण : व्याख्या एवं निष्कर्ष। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

243. राज कुमारी

मृदुला गर्ग और मन्नू भंडारी के उपन्यासों में व्यक्त समसामयिक यथार्थ और पुरूष-सत्ता की संरचना।

निर्देशक : डॉ. अनिल राय

Th 22086

विषय सूची

1. पुरूष-सत्ता की संरचना व स्त्री-पुरूष संबंध 2. सृजन के आइने में मृदुला गर्ग और मन्नू भंडारी 3. मृदुला गर्ग के उपन्यासों में चित्रित पुरूष पात्रों का वर्गीय विश्लेषण 4. मन्नू भंडारी के उपन्यासों में चित्रित पुरूष पात्रों का वर्गीय विश्लेषण 5. मृदुला गर्ग और मन्नू भंडारी के उपन्यासों में पुरूष की द्वन्द्वात्मक स्थिति 6. मृदुला गर्ग और मन्नू भंडारी के उपन्यास साहित्य की उपलब्धियाँ। उपसंहार। साक्षात्कार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

244. राधे श्याम

समकालीन महिला-लेखन के संदर्भ में प्रभा खेतान की स्त्री भाषा।

निर्देशक : डॉ. आशुतोष कुमार

Th 22091

विषय सूची

1. स्त्रीवाद, स्त्री भाषा और समकालीन महिला-लेखन 2. प्रभा खेतान : जीवन, लेखन और भाषा में स्त्री अस्मिता के लिए संघर्ष 3. प्रभा खेतान के कथा सहित्य में स्त्री भाषा 4. समकालीन महिला-लेखन और प्रभा खेतान की स्त्री भाषा। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

245. रोहित कुमार

निर्मल वर्मा के गद्य की भाषिक-संरचना।

निर्देशक : प्रो. मोहन

Th 22088

विषय सूची

1. संरचना औ संरचनात्मक भाषाविज्ञान की प्रकृति 2. साहित्य में भाषिक संरचना और भाषा-योजना की प्रकृति 3. निर्मल वर्मा का गद्य-साहित्य व भाषा संबंधी विचार 4. निर्मल वर्मा के गद्य की वाक्य संरचना विश्लेषण 5. निर्मल वर्मा के गद्य की प्रोक्ति संरचना का विश्लेषण 6. निर्मल वर्मा के गद्य की पाठ संरचना का विश्लेषण। उपसंहार। ग्रंथ सूची।

246. शर्मा (अनु)
आधुनिक हिन्दी कविता में विद्रोह के स्वर : भारतेन्दु हरिश्चंद्र और श्रीधर पाठक के विशेष संदर्भ में।
निर्देशिका : डॉ. आशा मेहता
Th 22077

विषय सूची

1. विद्रोह की अवधारणा : एक सैद्धांतिक विश्लेषण 2. आधुनिक हिन्दी कविता और विद्रोह : एक परिचयात्मक विविरण 3. नवजागरण के अग्रदूत भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका विद्रोही व्यक्तित्व 4. स्वच्छंदतावाद के प्रर्वत्तक श्रीधर पाठक के विद्रोही व्यक्तित्व के विविध रंग 5. भारतेन्दु के काव्य में अभिव्यक्त विद्रोह के ओजस्वी स्वर 6. श्रीधर पाठक के काव्य में अभिव्यक्त विद्रोह के स्वर : एक साक्षात्कार। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

247. शिवमंगल कुमार
रीति-तत्त्व के विकास में भक्तिकालीन काव्य की भूमिका।
निर्देशिका : डॉ. गीता शर्मा
Th 22102

विषय सूची

1. शोध-विषय की सार्थकता और उसका परिसीमन 2. प्रथम खंड-रीति-चिन्तन की परम्परा और स्वरूप। द्वितीय खंड-हिन्दी रीति-साहित्य में परम्परा का विकास 3. रीति-तत्त्व के आयाम 4. भक्तिकाव्य से अभिप्राय, उसका स्वरूप एवं वैशिष्ट्य 5. भक्तिकाव्य में रीति-तत्त्व का विस्तार। उपसंहार। परिशिष्ट : ग्रंथानुक्रमणिका।

248. शुक्ला (रूपेश कुमार)
साठोत्तरी कविता में सत्ता और समाज के अंतःसंबंध (संदर्भ - कुमारेन्द्र पारसनाथ सिंह, वेणु गोपाल और कुमार विकल)।
निर्देशक : प्रो. हरिमोहन शर्मा
Th 22090

विषय सूची

1. सत्ता और समाज : अंतःसंबंध के आयाम 2. स्वातंत्र्योत्तर भारत : सत्ता और समाज के प्रश्न 3. स्वातंत्र्योत्तर कविता का विकास और साठोत्तरी जनवादी कविता 4. कुमारेन्द्र पारसनाथ सिंह, वेणु गोपाल और कुमार विकल की कविताओं में सत्ता और समाज 5. कुमारेन्द्र पारसनाथ सिंह, वेणु गोपाल और कुमार विकल की कविताओं का तुलनात्मक वैशिष्ट्य। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

249. सिंह (दीपेन्द्र कुमार)
नौवें दशक के बाद का बदलता ग्राम्य-जीवन और हिन्दी कहानी।
निर्देशक : डॉ. हरेन्द्र सिंह
Th 22083

विषय सूची

1. नौवें दशक से पहले का ग्राम्य-जीवन और हिन्दी कहानी 2. 1990 के बाद ग्रामीण-जीवन का बदलता यथार्थ 3. 1990 के बाद ग्रामीण-जीवन में आये बदलाव के प्रमुख कारक 4. नौवें दशक के बाद की हिन्दी कहानी में ग्रामीण-जीवन की अभिव्यक्ति 5. 1990 के बाद की हिन्दी कहानी में ग्राम्यबोध का स्वरूप। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

250. ज्ञान प्रकाश
छायावादी और उत्तर-छायावादी कवियों की सौन्दर्य-चेतना का तुलनात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. रचना सिंह
Th 22094

विषय सूची

1. छायावाद और उत्तर-छायावाद की पृष्ठभूमि 2. सौन्दर्य की अवधारणा 3. छायावाद और उत्तर-छायावाद में सौन्दर्य-निरूपण 4. छायावाद और उत्तर-छायावाद में नारी-सौन्दर्य 5. छायावाद और उत्तर-छायावाद में प्रेम-सौन्दर्य 6. छायावादी और उत्तर-छायावादी कविता में प्रकृति-सौन्दर्य। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

M.Phil Dissertations

251. अजेश कुमार
उदय प्रकाश की कहानियाँ और सामाजिक विसंगति (तिरिछ कहानी संग्रह के विशेष संदर्भ में)।
निर्देशिका : डॉ. कुमुद शर्मा

252. आर्य (प्रिया)
सोशल मीडिया में सत्ता और समाज का बदलता स्वरूप।
निर्देशक : डॉ. सुधा सिंह

253. गुप्ता (विनय कुमार)
कुबेरनाथ राज क निबंधों में मिथकीय चेतना।
निर्देशक : प्रो. मोहन

254. गोयल (एकता)
रीति-काव्य की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. मुकेश गर्ग

255. चौहान (चारू)
नाट्य रूपांतरण की दृष्टि से पुनरपि दिव्या का अध्ययन।
निर्देशक : प्रो. रमेश गौतम

256. डोगरा (हेमराज)

जयशंकर प्रसाद की साहित्यिक मान्यताओं के संदर्भ में काव्य और कला तथा अन्य निबंध का मूल्यांकन।
निर्देशक : डॉ. राजेंद्र गौतम

257. पाण्डेय (जय प्रकाश)
मुल्ला दाऊद की चांदायन में नारी ।
निर्देशक : डॉ. पूरनचन्द टण्डन

258. पूनम
लक्ष्मीनारायण लाल कृत अंधा कुआँ नाटक में स्त्री प्रश्न।
निर्देशिका : डॉ. कुसुम लता मलिक

259. मीना (विद्याराम)
मतिराम के रसराज में लोकजीवन और स्त्री छवि।
निर्देशक : डॉ. रामनारायण पटेल

260. मीनाक्षी रानी
श्रीकांत वर्मा की कहानियों में व्यक्ति की आकांक्षा और व्यवस्था का द्वंद्व।
निर्देशक : प्रो. अपूर्वानन्द

261. यादव (जय प्रकाश)
उपसंहार में मिथक और यथार्थ का द्वंद्व।
निर्देशक : डॉ. मंजु मुकूल काम्बले

262. यादव (विश्वनाथ)
'जहाँ लक्ष्मी कैद है' में स्त्री-प्रश्न।
निर्देशक : डॉ. प्रेम सिंह

263. लल्टू कुमार
फणीश्वर नाथ रेणु की कविताओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन।
निर्देशक : डॉ. आशुतोष कुमार

264. सिंह (विनोद कुमार)
सांप्रदायिकता बनाम सामासिक संस्कृति (भीष्म साहनी की कहानियों के विशेष संदर्भ में)।
निर्देशक : डॉ. स्नेह लता नेगी

265. सुमित कुमार
कृष्णगीतावली में लोकरंजक और लोकरक्षक का समन्वय।
निर्देशक : डॉ. अनिल राय

266. सोहन कुमार
रंगमंचीय दृष्टि से प्रेमचन्द की कहानियों का अनुशीलन।
निर्देशिका : डॉ. अल्पना मिश्र

267. हजारी लाल

रसखान के काव्य में सामाजिक मूल्य।

निर्देशक : प्रो. कैलाश नारायण तिवारी